आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:31-01-15

हम भाग्यशाली बच्चों को अपना और परमात्मा का सत्य स्वरूप का परिचय देकर हमें निश्चय बुद्धि विजयंती बनाने वाले, क्रियेटर-ड़ायरेक्टर बाप ने कहा, मीठे बच्चे - तुम एक बाप के ड़ायरेक्शन पर चलते चलो तो बाप तुम्हारा रेस्पॉन्सिबल है, बाप का ड़ायरेक्शन है चलते फिरते मुझे याद करो.

आज बाबा हमें सफलता की चाबी दे रहे है. बाबा कहते है जो बच्चे निश्चय बुद्धि हो कर एक बाप की श्रीमत् को एक्यूरेट फोलो करते है उसकी हर बात की रेस्पॉन्सिबीलिटी स्वयं बाप लेते हैं. जब बाप हर बात के लिए रेस्पॉन्सिबल होते है तो सफलता तो मिलनी ही हैं. ऐसी आत्माओं का ही गायन है - निश्चय बुद्धि विजयंती. तो हमारा काम है हर बात पर बाप की श्रीमत् को एक्यूरेट फोलो करना ही हैं.

कई बच्चे बाबा की मुरली से कुछ महा-वाक्यों को ब्रह्मा-बाबा का मानकर उसे इग्नोर (ignore) करते है कि यह ब्रह्मा-बाबा कहते है. लेकिन शिवबाबा ने कहा है कि ब्रह्मा मुख से जो भी महा-वाक्य निकलते है वह मेरे ही महा-वाक्य है. उसको मेरी श्रीमत् समझकर उसे एक्यूरेट फोलो करो तो हर बात के लिए बाप ही रेस्पॉन्सिबल बनते हैं. ऐसे कदम-कदम ईश्वरीय डायरेक्शन समझ चलेंगे तो कभी घाटा नहीं होगा. यह निश्चय में ही विजय समाई हुई हैं.

शिवबाबा ने हम बच्चों को मुख्य श्रीमत् दि है कि अपने को आत्मा समझ मुझ परमात्मा को याद करो. इस श्रीमत् पर कहे गये महा-वाक्यों को अपनी आत्मिक अवस्था बनाकर, बाप कि याद में रहकर पढ़ेंगे.

- बाबा कहते हैं मीठे-मीठे रुहानी बच्चों में नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार ईश्वरीय ज्ञान की समझ हर एक की अपनी-अपनी हैं. उस अनुसार ही निश्चय-बुद्धि में भी नम्बर हैं.

- बाबा समझाते हैं ऐसा ही समझो कि शिवबाबा इन ब्रह्मा तन द्वारा डायरेक्शन देते हैं. ऐसे निश्चय करो कि हम ईश्वरीय श्रीमत् पर ही चलते है तो बेड़ा पार हो सकता हैं. बाप ने कहा

है कि मेरे डायरेक्शन पर चलने से फिर रेस्पॉन्सिबल में हूँ. ब्रह्मा द्वारा जो कुछ होता है उसकी एक्टिविटी का मैं ही रेस्पॉन्सिबल हूँ, उसको राइट भी में करूंगा. तुम सिर्फ ब्रह्मा तन द्वारा मैं जो भी डायरेक्शन देता हूँ उसको फोलो करो.

- बाबा कहते हैं जो बच्चे सदा मेरी याद में रहेंगे वही डायरेक्शन को फोलो कर सकेंगे. कदम-कदम ईश्वरीय डायरेक्शन समझकर चलेंगे तो कभी घाटा नहीं होगा. यही निश्चय में तुम्हारा विजय हैं.

- बाबा कहते हैं बाप तो है ही हाइएस्ट अथॉरिटी और फिर यह प्रजापिता ब्रह्मा भी हाइएस्ट अथॉरिटी ठहरे. यह जोडी है शिव और प्रजापिता ब्रह्मा की. सब आत्मायें है एक शिवबाबा के बच्चे है और फिर साकार में सब भाई-बहन हैं प्रजापिता ब्रह्मा के बच्चे. शिवबाबा हैं सब आत्माओं का बाप और प्रजापिता ब्रह्मा है सब मनुष्यों का बाप. यह निश्चय बच्चों को पुरा होना चाहिए.

- बाबा कहते हैं बच्चों का बाप से पुरा योग हो तब विकर्मों विनाश हो. विश्व का मालिक बनना कोई मासी का घर थोडे ही है. बाप कि याद में रहकर बच्चों को सदा प्रफुल्लित रहना चाहिए. चलते फिरते बाप कि याद में रहना चाहिए तब आधाकल्प के पाप भस्म हो. अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करने का ही बच्चों को पुरुषार्थ करना हैं.

ॐ शांति.